हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 261 देहरादून, बुधवार, 12 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

लोकसभा अध्यक्ष को वित्तमंत्री ने चारधाम यात्रा का दिया निमंत्रण 3

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में सीएम ने बांटी उपाधियाँ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 अप्रैल, श्री गुरुराम राय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही विनोद चमोली, विधायक धर्मपुर व प्रो. डी.पी. सिंह, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन एवं वर्तमान शिक्षा सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ दीक्षांत पंडाल में अकादमिक शोभा यात्रा के आगमन से हुआ। शोभा यात्रा का नेतृत्व श्री गुरु राम रायविश्वविद्याल के कुलसचिव डॉ अजय कुमार खंडूड़ी ने किया। शोभायात्रा में कुलपति, बोर्ड ऑफ गर्वनेंस, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट एवं एकेडमिक काउंसिल के सदस्य शामिल रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देते हुए उन्हें सदैव सत्य एवं धर्म का आचरण, माता पिता एवं गुरु के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने एवं धर्म ग्रंथों के उपदेशों का पालन करने की शपथ दिलायी। कुलपति ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी अब शैक्षणिक वातावरण से निकलकर उन्मुक्त एवं प्रतिस्पर्धा के वातावरण में प्रवेश कर रहे हैं जहां उन्हें शिक्षा एवं कौशल के द्वारा अपनी पहचान बनानी है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना 2017 में श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन के अंतर्गत की गई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमहंत देवेंद्र दास जी की दूरदर्शिता एवं कुशल नेतृत्व में आज मिशन उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा तथा शिक्षा के क्षेत्र में मानव सेवा के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय ने विगत 6 वर्षों में 1400 से अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित किए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन केंद्र नवोदित उद्यमियों और

उद्यमशीलता द्वारा अपने नवीन विचारों को व्यावसायिक उत्पादों में बदलने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने शैक्षिक योग्यता का जीवन में श्रेष्ठतम प्रयोग करें और समाज की बेहतरी में अपना योगदान दें।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने कुलाधिपति श्रीमहंत देवेंद्र दासजी महाराज के शुभकामना संदेश को प्रेषित किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के लिए समस्त विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए इसे हर्ष और गौरव का क्षण बताया है। उन्होंने समारोह की सफलता की कामना करते हुए आने वाले भविष्य के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है। उनके अनुसार श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अभिनव प्रयोग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पक्षधर रहा है।

समारोह में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि वे आदर्श गुणों को अवश्य अपनाएं, जिससे समाज और राष्ट्र का नव-निर्माण हो सके। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यहां के विद्यार्थी देशभर में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री का कहना था कि जीवन में कुछ पाने के लिए हमेशा मन में सीखने की इच्छा को बनाकर रखना चाहिए। क्योंकि ज्ञान का कोई अंत नहीं होता है। उन्होंने दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिवार के कुलपति सहित समस्त स्टॉफ को भी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

समारोह के अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का कहना था कि नवाचार, अनुसंधान और विकास के माध्यम से ही हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उनका कहना था कि आज का शैक्षिक पाठ्यक्रम उद्योग केंद्रित होने चाहिए। उन्होंने खुशी जाहिर की श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय इस संबंध में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार के स्टार्टअप इंडिया अभियान से छात्रों से जुड़ने के लिए आहवान किया कि वे उद्यमी बने और रोजगार सृजित करें। उनका कहना था कि आज भारत को नौकरी चाहने वालों की नहीं नौकरी देने वालों की जरूरत है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, प्रो. डी.पी. सिंह, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन एवं वर्तमान में शिक्षा सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें कई चुनौतियां है, यदि सभी सच्ची निष्ठा, ईमानदारी एवं कौशलता से कार्य करेंगे तो जरूर सफल होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को नैतिक रूप से प्रतिबद्ध करने और आधुनिक ज्ञान देने के साथ उनके पूर्ण व्यक्तित्व को निखारने में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनका कहना था कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति में सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है।

दीक्षांत समारोह में 5386 छात्र-छात्राओं को प्रदान की गई डिग्री

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में 5386 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इनमें से 218 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। गोल्ड मैडल प्राप्त करने वाले छात्रों में स्नातकोत्तर के 156 तथा स्नातक के 62 छात्र शामिल हैं। साथ ही 34 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में एसजीआरआर विश्वविद्यालय के चार छात्रों को कुलाधिपति ट्रॉफी से सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर डिग्री व मैडल पाकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से झूम उठे।

कुलाधिपति ट्रॉफी से सम्मानित हुए 4 विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में 4 छात्र-छात्राओं को कुलाधिपति ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इनमें स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंस के अंतर्गत मास्टर ऑफ साइंस (बायोटैक्नोलॉजी) के हीरा सिंह गरिया, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन एंड इन्फारमेशन टैक्नोलॉजी के अंतर्गत मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन से निधि यादव, बैचलर्स ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन से दृष्टांत शर्मा तथा बैचलर्स ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन से ही सत्यम सिंह शामिल हैं। दीक्षांत समारोह में श्री गुरु राम राय मेडिकल कॉलेज के छात्र मयंक गुप्ता को आरके बंसल मेमोरियल अवॉर्ड (फॉरेंसिक मेडिसिन, वर्ष 2022) से सम्मानित किया गया।

एलुमनी मीट का आयोजन

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन द्वारा एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विपुल जैन ने बताया कि श्री गुरू राम विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर पूर्व छात्रों के लिए एलुमनी एसोसिएशन द्वारा एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों जोकि अब विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय है, सबने गर्मजोशी के साथ प्रतिभाग किया तथा अपने-अपने अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को शुभकामना संदेश एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

उत्तराखंड : अगले तीन-चार दिन पहाड़ से मैदान तक बढ़ेगा पारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अप्रैल : उत्तराखंड के मैदानी जिलों में अगले तीन-चार दिनों में पारा परेशान कर सकता है। मैदानी जिलों में तापमान में चार डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। जबकि, पर्वतीय क्षेत्रों में भी तापमान दो से तीन डिग्री बढ़ सकता है। वहीं, मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आने वाले दिनों में लोगों को गर्मी से जूझना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने आने वाले तीन-चार दिनों में तापमान में चार डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी की संभावना जताई है। जबकि, पर्वतीय क्षेत्रों में दो से तीन डिग्री तापमान बढ़ सकता है। देहरादून और पंतनगर में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं, बीते दिन देहरादून में तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि, पंतनगर में

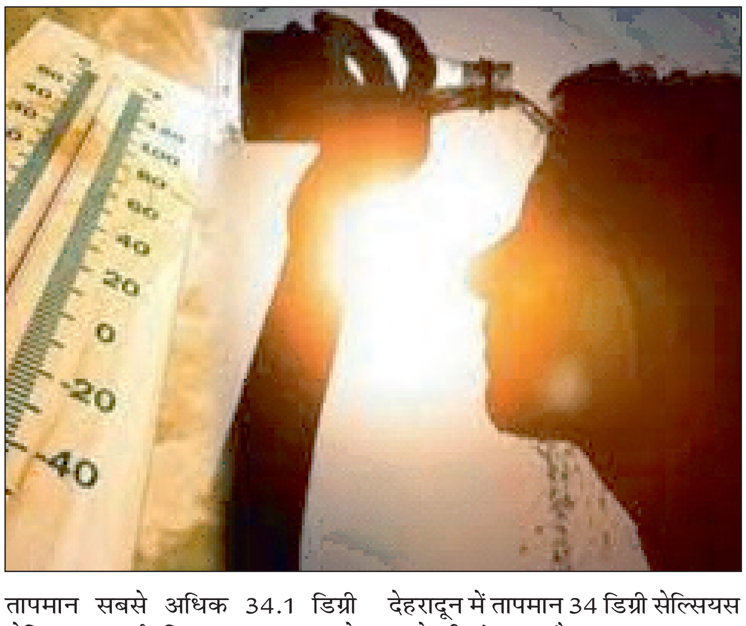

तापमान सबसे अधिक 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगे देहरादून में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

राज्यपाल ने सुनी राजभवन में पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों की समस्याएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को राजभवन में पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों की समस्याएं सुनी। राज्यपाल द्वारा राजभवन में पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान हेतु समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। आज विभिन्न जनपदों के दूरस्थ क्षेत्रों से कुल 07 लोगों द्वारा अपनी-अपनी शिकायतें/समस्याएं राज्यपाल के सम्मुख रखीं। राज्यपाल ने सभी समस्याओं को बेहद गम्भीरता से सुना और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व सैनिक व उनके आश्रितों द्वारा पेंशन से संबंधित समस्याएं, भूमि विवाद और कब्जे से संबंधित, उपनल में नियुक्ति से संबंधित, आर्थिक सहायता व अन्य समस्याएं राज्यपाल के सम्मुख रखी गयी।

राज्यपाल ने सभी शिकायतकर्ताओं से कहा कि सैनिक, पूर्व सैनिक व उनके परिवारजनों की समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने कहा सभी शिकायतों को नियमानुसार यथाशीघ्र निदान सुनिश्चित किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि विषम परिस्थितियों में हमारे सैनिक जिस निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, उसी तत्परता से हमें उनके परिवारजनों की देखभाल व सहायता करनी चाहिए। उन्होंने राजभवन में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान हेतु नियुक्त शिकायत निवारण अधिकारी को सभी समस्याओं को यथाशीघ्र संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करने के निर्देश दिये। राज्यपाल ने कहा कि सभी लोगों की समस्याओं को एक निश्चित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

क्या दही की खोज भारत में नहीं हुई, जानिए इतिहास ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अप्रैल , आज हम आपको लस्सी , मट्ठा और दही बड़ा के सरताज और खाने में शुभ मानी जाने वाली दही की बात करेंगे। आप जिसको स्वाद के लिए कभी सेहत के लिए खाते हैं वो भारत की खोज नहीं है। जी हां दही इंडियन नहीं बुल्गारियन डिश है। तो पढ़िए एक रोचक खबर -

4 हजार साल पहले दही का ईजाद बुल्गारिया में हुआ। कोई साढ़े 3 हजार साल पहले लिखे गए ऋग्वेद में प्रसाद के लिए 'पंचगव्य' बनाने का जिक्र है। इसी 'पंचगव्य' का अहम हिस्सा दही है। एक्सपर्ट्स भी पेट की सेहत के लिए दही को उत्तम मानते हैं।डॉक्टर स्टैमेन ग्रिगोरोव ने दही में बैक्टीरिया की खोज की , बुल्गारिया को दही का जन्म स्थान होने का श्रेय बल्गेरियाई वैज्ञानिक डॉ. स्टैमेन ग्रिगोरोव को भी जाता है।

1945 में डॉ. स्टैमेन की मृत्यु के बाद इस सूक्ष्मजीव को 'लैक्टोबैसिलस बल्गारिकस' नाम दिया गया। अगर कभी आप बुल्गारिया जाएं तो डॉ. स्टैमेन ग्रिगोरोव के गृहनगर में बने दुनिया के एकमात्र दही संग्रहालय (म्यूजियम ऑफ योगर्ट) को देखना न भूलें। यात्रा को शुभ और मंगलकारी बनाने के लिए, एग्जाम या इंटरव्यू में जाते समय हम सब घर से दही-गुड़ या दही-शक्कर खाकर निकलते हैं।लेकिन आप यकीन करेंगे जिस दही को खाकर हम सब अपना सफर शुरू करते है, वह खुद एक लंबी यात्रा करके हमारी कटोरी तक पहुंचा है। भारतीय खानपान का ही नहीं, बल्कि पूजा-पाठ का अभिन्न हिस्सा बन चुके दही की पैदाइशी हिंदुस्तानी है या नहीं, इसका कोई ठोस सबूत नहीं मिलता।

फूड हिस्टोरियन केटी अचाया दही को विशुद्ध भारतीय मानते हैं, लेकिन विज्ञान की दुनिया में इसका जन्म स्थान बुल्गारिया बताया जाता है। कुछ इसे टर्किश लोगों की देन भी मानते हैं। दक्षिण भारत में जिस दही को हिंदी में लिखने पर विवाद हुआ, वही दही भारत को अखंड बनाता है। वह अपने स्वाद और सेहत के रुतबे से उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम भारत तक बराबर का दखल रखता है।

ऋग्वेद में दही चावल के व्यंजन का उल्लेख है। वैदिक काल में, चावल के साथ दही खाया जाता था। श्रीखंड का पहला संदर्भ लगभग 500 ईसा पूर्व (या बुद्ध के जन्म से पहले भी) आया है। 1000 ईस्वी तक, दही का नियमित रूप से खाना पकाने में उपयोग होने लगा था। लिहाज़ा इतिहास के आधार पर कहा जा सकता है कि दही भले ही भारत में थाली की शान है , शुभ मंगल की मान्यता है लेकिन ये एक भारतीय खोज है ये कहना मुश्किल है।

अजब गजब : मार खाओ, ब्याह रचाओ, ये है इंडिया मेरी जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अप्रैल , आज के समय में ज्यादातर युवा परफेक्ट लाइफ पार्टनर की तलाश में डेटिंग साइट, मैट्रिमोनियल साइट्स या सोशल मीडिया पर भरोसा करते हैं। इसके अलावा उन्हें कोई दूसरा उपाय नजर नहीं आता है, तो मम्मी-पापा से कह देते हैं कि आप ही हमारे लिए खोज दीजिए। पर क्या आप जानते हैं किसी ऐसी जगह के बारे में जहां एक शर्त पर आपको ऑफलाइन जीवनसाथी चुनने की छूट मिलती है। अगर नहीं जानते, तो पढ़ लीजिए ?

मार खाओ ब्याह रचाओ

राजस्थान में आज भी सदियों पुरानी परंपराओं को लोगों ने संजोए रखा है। यहां के पारंपरिक परिधान और खाने से लेकर त्योहारों तक में आपको इसकी झलक देखने को मिल जाएगी। जोधपुर में हर वर्ष आयोजित होने वाले मरु, थार या तीज महोत्सव के बारे में तो आप सब जानते होंगे। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे अनोखे मेले के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में सुनते ही सिंगल लोग तो खुशी से झूम उठेंगे। यहाँ एक ऐसा मेला लगता है, जिसमें कुंवारे लड़के अगर लड़कियों से मार खा लें तो उनकी शादी जल्दी होने की संभावना रहती है।

हम तो तैयार हैं

इसी महीने आयोजित हुए जोधपुर के बेंतमार मेले की तस्वीरें खूब वायरल हो रही है। लोग भी इसपर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बहुत मजा आता है मेले में', दूसरे ने लिखा, 'अगर मैं गया तो मेरी दोबारा शादी होगी।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'पोपट लाल को यहां जरूर जाना चाहिए'। लेकिन क्या आपने देखी हैं इस अनोखे मन्नत की अजब गजब तस्वीरें

जोधपुर शहर में गणगौर पूजन के 6 दिन बाद धींगा गवर का बेंतमार मेला लगता है, जिसमें रात के समय जोधपुर की सड़कों पर महिलाओं का राज रहता है। इस दिन महिलाएं सज-धजकर हाथों में छड़ी लेकर निकलती हैं। कोई भी लड़का या पुरुष उनके सामने आता है तो उसकी डंडे से जमकर पिटाई की जाती है! इसके पीछे एक मान्यता भी है कि अगर कुंवारा लड़का इस रात को किसी भी महिला के हाथ से डंडे से पीट जाता है, तो उसकी शादी हो जाती है। खास बात ये है कि इस दौरान कोई भी पुरुष महिलाओं की बात का बुरा नहीं मानता फिर चाहे वह जान पहचान वाला हो या अनजान हो।

ज्ञान की बात : मैं देवभूमि की पिंडर हूँ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अप्रैल , सदियों से भारतीय नदियों का महत्व भारत में बेहद ही खास रहा है। जब भी भारतीय पौराणिक कथा और इतिहास का जिक्र होता है तो कुछ पवित्र नदियों का भी जिक्र जरूर होता है। गंगा, यमुना, कावेरी, नर्मदा और सरस्वती नदियां भारत के लिए हमेशा पवित्र रही हैं। इनमें से कुछ नदियां हिमाचल प्रदेश तो कुछ नदियां उत्तराखंड के पहाड़ों से निकलती हैं। इन्हीं नदियों में की तरह उत्तराखंड से निकले वाली पिंडर नदी भी बेहद खास मानी जाती है।

ऊंचाई समुद्र तल से 12 हजार फीट

पिंडर/पिण्डार नदी उत्तराखंड में बहने वाली एक प्रमुख नदी है। इस नदी का उद्गम हिमालय के पिंडारी नमक ग्लेशियर से होता है जो बागेश्वर जिले के कुमाऊं क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह नदी जिस स्थान से निकलती है उस जगह की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 12 हजार फीट है। कहा जाता है कि पिंडर नदी का मुंह कर्णप्रयाग की तरफ स्थित है जहां यह अलकनंदा नदी के साथ संगम से समाप्त हो जाती है। पिंडर नदी अलकनंदा नदी की सहायक नदी भी है।

पिंडर नदी का इतिहास बेहद ही दिलचस्प है। इस नदी के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि यह त्रेतायुग से भी प्राचीन है। इस प्राचीन नदी का इतिहास भगवान शिव और पार्वती के साथ भी जोड़ा जाता है। आपको बता दें कि इस नदी को कई लोग 'कर्ण गंगा' के नाम से भी जानते हैं। पिंडर नदी की पौराणिक कथा भी बेहद दिलचस्प है। इस नदी के बारे में कहा

जाता है कि जब भगवान शिव और माता पार्वती की शादी हुई थी तब शिव जी ने माता पार्वती को पिंडर घाटी/नदी के रास्ते ही विदा कराकर ले गए थे। इसलिए आज भी हिमालय की बेटियां यह कामना करती हैं कि उनकी विदाई के रास्ते में पिंडर नदी/घाटी के दर्शन हो ताकि जीवन सफल रहें।

पिंडर नदी जिस तरह पवित्र महत्वपूर्ण माना जाता है ठीक उसी तरह सैलानियों के लिए भी बेहद खास माना जाता है। पिंडर घाटी अद्भुत दृश्य, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, देवदार के पेड़ और घास के मैदान के लिए काफी फेमस है। पिंडर घाटी में हजारों सैलानी ट्रैकिंग करने के लिए पहुंचते हैं, क्योंकि पिंडर ग्लेशियर काफी फेमस ट्रेक है। कहा जाता है कि यह ट्रेकिंग लगभग 56 मिल का है और इसे पूरा करने में लगभग 6 दिन लग जाते हैं। इस रास्ते में लगभग 5-6 गांव और खूबसूरत पहाड़ियों से रूबरू हो सकते हैं। पिंडर घाटी या ग्लेशियर सिर्फ ट्रैकिंग के लिए ही नहीं बल्कि साहसिक खेलों जैसे बर्फ पर चढ़ने और माउंटेन बाइकिंग के लिए भी प्रसिद्ध है।

मंत्री सतपाल महाराज के फैसले से खिले डिप्लोमा इंजीनियर्स के चेहरे, मांगे जल्द होंगी पूरी

बैठक में मंत्री ने दिए वेतन विसंगति को दूर करने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 अप्रैल , उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की लम्बित मांगों के नियत समय पर निराकरण के साथ साथ वेतन विसंगतियों दूर किया जाए। विभिन्न विभागों में कार्यरत अभियंताओं को अनुरक्षण भत्ता व अन्य आवश्यक सुविधाएं अति शीघ्र मुहैया कराई जाएं, ताकि वह फील्ड में जाकर कार्यों का सुपरविजन कर सकें। प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन , मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ के प्रतिनिधियों के साथ उनकी लंबित मांगों के निराकरण के लिए आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए बड़ी बाते कही है । उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के अंतर्गत डिप्लोमा धारी पात्र कार्मिकों को 3 पदों पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जा रहा है ।इसके अतिरिक्त एम.ए.सी.पी. से संबंधित शासनादेश के अनुसार कार्यवाही की जा रही है जिसमें 10, 20 व 30 वर्ष पर एम.ए.सी.पी स्वीकृत किए जाने का प्राविधान है ।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज उत्तराखंड के विभिन्न विभागों में कार्यरत डिप्लोमा इंजिनियर्स की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनकी वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने के साथ-साथ कनिष्ठ अभियंता और अपर सहायक अभियंता को अनुमन्य मोटर साइकिल, स्कूटर भत्ते की दरों का पुन निरीक्षण कर 2013 के शासनादेश पर अमल करते हुए 30 लीटर पेट्रोल या ₹5000 भत्ता प्रतिमाह दिए जाने के निर्णय का समाधान एक माह किया जाये। कनिष्ठ अभियंताओं को 10 वर्ष की सेवा के पश्चात सहायक अभियंता के ग्रेड वेतन 5400 दिए जाने की संभावनाओं का भी एक माह में परीक्षण करवा लिया जाए। महाराज ने कहा कि प्रदेश के विकास का जो लक्ष्य मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तय किया है उसके लिए विभिन्न विभागों में कार्यरत समूह ₹ख₹ अभियंताओं व अन्य अभियंताओं को की मांगो का सकारात्मक ढंग से समाधान होना चाहिए। बैठक में अपर सचिव वित्त गंगा प्रसाद अपर सचिव कार्मिक ललित मोहन घिल्डियाल, लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव विनीत कुमार, सिंचाई विभाग के अपर सचिव एवं सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता जयपाल आदि अधिकारी मौजूद थे।

लोकसभा अध्यक्ष को वित्तमंत्री ने चारधाम यात्रा का दिया निमंत्रण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश ,12 अप्रैल , क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा वार्ता हुई। इस दौरान डा. अग्रवाल ने चारधाम यात्रा में आने का निमंत्रण दिया। नई दिल्ली में हुई भेंट वार्ता के दौरान मंत्री डा. अग्रवाल ने लोकसभा अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट किया। इस अवसर पर सीपीए कार्यकारी समिति की बैठक को लेकर पुरानी यादें ताजा हुईं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में ऋषिकेश में संपन्न सीपीए की बैठक ऐतिहासिक रही। उन्होंने कहा कि तीर्थनगरी की गंगा आरती, पारंपरिक परिधान पहनकर अपनी संस्कृति को संजोए रखना यादगार रहा। लोस अध्यक्ष ने संसदीय कार्यमंत्री के रूप में भराड़ीसैण विस के बेहतर संचालन के लिए डॉ अग्रवाल की पीठ थपथपाई।

कालसी वन प्रभाग की धौला बीट में सीमांकन किया जाए

विकासनगर। भूमि संरक्षण वन प्रभाग कालसी के सहायक वन कर्मचारी संघ ने तिमली रेंज की धौला बीट का सीमांकन कराने की मांग की है। मंगलवार को प्रभागीय वनाधिकारी से मिलकर संघ के पदाधिकारियों ने इस आशय का ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने डीएफओ को बताया कि धौला बीट अति संवेदनशील है। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की सीमा से लगी इस बीट का सर्वे ऑफ इंडिया से सीमांकन कराया जाना जरूरी है। सीमांकन की कई बार मांग की जा चुकी है, लेकिन अधिकारी विभागीय सर्वेयर से सीमांकन कराते हैं, जिसे अन्य प्रदेश नहीं मानते हैं। सर्वे ऑफ इंडिया की ओर से किए गए सीमांकन को मानने के लिए सभी प्रदेश बाध्य होंगे। बताया कि सीमांकन नहीं होने से उत्तराखंड को नुकसान हो रहा है। हिमाचल प्रदेश की ओर से इस क्षेत्र में अनियंत्रित तौर पर उप खनिज चुगान किया जा रहा है, जिससे राजस्व की क्षति के साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। यही हाल उत्तर प्रदेश और हरियाणा से लगे वन क्षेत्र में भी हो रहा है। अक्सर तस्कर प्रदेश की सीमा के अंदर आकर बहुमूल्य काष्ठ की चोरी के साथ ही वन्य जीवों को भी नुकसान पहुंचाते हैं और दूसरी ओर के वन कर्मी अपने क्षेत्र का मामला बताकर तस्करों को आसानी से बचाकर ले जाते हैं। बताया कि जैव विविधता बचाए रखने, वन्य उत्पादों की रक्षा और पर्यावरण को हो रहे नुकसान से बचने के लिए धौला बीट का सीमांकन कराया जाना जरूरी है, जिससे जंगल के अंदर सभी प्रदेशों की हदबंदी निर्धारित हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में सहायक वन बीट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दीपक उनियाल, बहादुर सिंह, रमेश चंद्र आदि शामिल रहे।

परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अप्रैल , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में वाह्य सहायतित परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के अन्तर्गत चल रही 13 और 11 पाइपलाईन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं की की गति बढाने हेतु जिलाधिकारियों एवं मुख्य विकास अधिकारियों को इन योजनाओं में शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों द्वारा इन योजनाओं की मासिक समीक्षा की जाए। साथ ही उन्होंने जिलाधिकारियों को परियोजनाओं के चयन में भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने विभागों में आईटी सम्बन्धित उपकरणों की खरीद हेतु आईटी विभाग की बैठक प्रत्येक 15 दिन में आयोजित किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक के लिए दिवस निर्धारित कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम है उन्हें लगातार परियोजनाओं का अनुश्रवण कर तेजी लायी जाए। इस अवसर पर सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, डॉ. आर. राजेश कुमार, अपर सचिव श्रीमति रंजना राजगुर, श्री विनीत कुमार एवं श्री उदयराज सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

अब ऋषिकेश में ग्लास ब्रिज पर गंगा की लहरों का दीदार कर सकेंगे पर्यटक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 अप्रैल : ऋषिकेश शहर ने कम वक्त में पर्यटकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई है। यहां आने वाले पर्यटक अब कांच के पुल से गुजरते हुए गंगा की लहरों का दीदार कर सकेंगे। लोक निर्माण विभाग की ओर से यहां बजरंग सेतु का निर्माण किया जा रहा है, जो कि लक्ष्मण झूला पुल का विकल्प बनेगा। पुल का 62 फीसदी काम पूरा हो गया है।

जुलाई 2023 में इसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। कांच का ये पुल 132 मीटर लंबा होगा, इसके निर्माण की शुरुआत 5 जनवरी 2022 को हुई थी। 62 फीसदी काम पूरा हो चुका है, अब कांच के फुटपाथ का का शुरू होगा। लोनिवि एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बजरंग सेतु का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि 69.20 करोड़ की लागत से बनने वाले बजरंग सेतु इंजीनियरिंग का शानदार नमूना होने के साथ हाईटेक तकनीक वाला उत्तर भारत का पहला कांच के फुटपाथ वाला पुल होगा।

इस सेतु के टावर में केदारनाथ धाम की आकृति भी देखने को मिलेगी। लोग यहां से गंगा की लहरों का आनंद ले सकेंगे। टावर की ऊंचाई करीब 27 मीटर होगी। कुल 133 मीटर लंबे और आठ मीटर चौड़ाई वाला यह पुल श्री लेन का होगा। पुल के बीच में ढाई-ढाई मीटर की डबल लेन दुपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए होगी। पुल के दोनों तरफ कांच का पैदल पथ बनेगा। इस पर खड़े होकर सैलानी 57 मीटर ऊंचाई से गंगा की बहती जलधारा का अद्भुत नजारा देख सकेंगे।

सैनिटरी पैड पर कोर्ट का बड़ा आदेश, मिलेगी बेटियों को राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अप्रैल , चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत में जया ठाकुर ने जनहित याचिका दी है जिसके बाद अदालत ने राज्य सरकारों को छात्राओं की सुरक्षा और साफ-सफाई का इंतजाम करने के लिए भी कहा है। इसके अलावा स्कूलों में छात्राओं के लिए माहवारी (पीरियड्स) के दौरान स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए मानक आदर्श प्रक्रिया (SOP) और प्रबंधन का नैशनल मॉडल विकसित करने को भी कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को एक खास निर्देश दिया है। इस निर्देश के तहत इन सभी को वहां पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड देने के लिए कहा गया है। इसके लिए पैड्स के लिए वेंडिंग मशीन लगाने से लेकर पैड्स के निस्तारण के लिए समुचित व्यवस्था करनी होगी। यह आदेश उन सभी स्कूलों के लिए है जहां पर अपर प्राइमरी/सेकेंडरी/हायर सेकेंडरी कक्षाओं में छात्राएं पढ़ती हैं।

अदालत ने माहवारी के दौरान स्वच्छता की अहमियत को एक बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि वह सभी पक्षकारों को शामिल कर देश के स्कूलों में माहवारी को ध्यान में रखते हुए एक समान राष्ट्रीय नीति बनाए। इसके लिए जो भी जरूरी डेटा हो, वह तमाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जुटाया जाए। बेंच ने इस बात पर भी गौर किया कि केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालयों में माहवारी के दौरान स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं हैं। अदालत ने सरकार से जुलाई अंत तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

संक्षिप्त खबरें

महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने भूख हडताल शुरु की

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर के बीएड कोर्स संबद्धता और छात्रवृत्ति की मांग लेकर पिछले पांच दिनों से धरना प्रदर्शन कर क्रमिक अनशन पर बैठे छात्र-छात्राओं कि मांगें अब तक पूरी नहीं हुई। जिससे आक्रोशित छात्र छात्राओं ने मंगलवार अपने क्रमिक अनशन को आमरण अनशन में बदल दिया है। भूख हडताल पर बैठे छात्र छात्राओं ने चेतावनी दी है कि शीघ्र मांगों को पूरा नहीं किया जाता तो व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जायेगा। छात्र-छात्राओं का नेतृत्व कर रही छात्रसंघ अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने बताया कि वह पिछले पांच दिनों से बीएड कोर्स संबद्धता और छात्रवृत्ति की मांग कर रहे हैं, लेकिन शासन प्रशासन हमारी मांगों को पूरी नहीं कर रह है। जिससे छात्र छात्राओं में आक्रोश है। आक्रोशित छात्र छात्राओं को मजबूरन भूख हड़ताल पर बैठना पड़ रहा है। बताया उनके द्वारा बार-बार शासन प्रशासन और विद्यालय प्रशासन को अवगत कराया जाता रहा है। बावजूद इसके अभी तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। बताया इस संबंध में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दे चुकें है, और प्रदेश के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के सामने भी अपनी बात रख चुके हैं। लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। बताया शासन प्रशासन को जगाने के लिए उन्हें अब आमरण अनशन पर बैठना पड़ रहा है। कहा कि मंगलवार को भूख हड़ताल शुरू करने वालों में वालों में लक्ष्मी वर्मा, रोहित कुमार, रिंकू, गणेश शामिल हैं। जबकि भूख हडताल पर बैठने वालों के समर्थन में आर्यन चौहान, प्रवेश, खजान, विपिन, नरेंद्र, अंकिता, शिवानी, नीलम, रवीना, शर्मिला आदि शामिल रहे।

शंकरपुर में बंद घर में चारी

विकासनगर। सहसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शंकरपुर हकूमतपुर में बंद मकान का ताला तोडकर चोर हजारों रुपये नगदी और कीमती जेवरात चुरा ले गए। चोरों ने घर से हजारों रुपये की नगदी व लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गये। घर के मालिक जब वापस घर लौटे तो घर के ताले टूटे देख व आलमारी की तिजोरी में रखे जेवरात गायब देख पैरों तले जमीन खिसक गयी। घर के मालिक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरु कर दी है। आशीष महावर पुत्र परमानंद निवासी शंकरपुर हकूमतपुर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 मार्च को वह अपने घर को बंद कर रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गये थे। नौ अप्रैल को वापस घर लौटे तो घर के ताले टूटे हुए थे। घर के अंदर आलमारी व तिजोरी के लॉक टूटे हुए मिले। तिजोरी में रखे करीब तीन लाख रुपये से अधिक के जेवरात व हजारों रुपये की नगदी गायब मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पडताल शुरु की है। थानाध्यक्ष सहसपुर गिरीश नेगी ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरु कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही हाल में जेल से जमानत पर छूटे व आपराधिक प्रवृति के लोगों की धरपकड़ कर पूछताछ की जा रही है। बताया कि जल्द चोरों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

मानवाधिकार आयोग ने विवि को दिया नोटिस

विकासनगर। श्रीदेव सुमन विवि बादशाहीथौल (टिहरी गढ़वाल) द्वारा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराने के मामले को उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग ने गंभीरता से लेते हुए विवि को नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में चार सप्ताह में वांछित जानकारी के संबंध में आख्या आयोग में दाखिल करने की हिदायत दी गई। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र सुमित कुमार ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम-1872 की धारा 76 के तहत श्रीदेव सुमन विश्व विद्यालय के परीक्षा विभाग से शिक्षा सत्र 2020-22 के एमकॉम तृतीय सेमेस्टर के 'वित्तीय बाजार और संस्थान विषय की उत्तर पुस्तिका की सत्यापित प्रति मांगी थी।

भाजपा मुख्यालय में महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाई गयी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 11 अप्रैल , भारतीय जनता पार्टी महानगर के द्वारा महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती के उपलक्ष में संगोष्ठी कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती पर पुष्पांजलि एवं उनको नमन किया और कार्यक्रम में आए राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम का स्वागत किया एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हर्ष की बात है कि हम भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं इसमें ऐसे महान विभूतियों जिन्होंने देश के प्रति समाज में उत्थान कार्य किए हैं उनको यह पार्टी याद करती है नमन करती है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तराखंड प्रदेश के प्रभारी दुष्यंत गौतम ने ज्योतिबा फुले की जयंती पर पुष्पांजलि कर उनको नमन करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें पूर्व समय में जिन महान विभूतियों ने देश समाज के हित एवं उत्थान के लिए कार्य को किया है उन सभी को याद करने का काम करती है उनकी जयंती के रूप में कार्यक्रम किए जाते हैं उन्होंने कार्यक्रम में गुरु गोविंद सिंह जी संत रविदास जी संत कबीर जी एवं डॉ भीमराव अंबेडकर जी को भी याद करते हुए कहा कि हम लोगों को इन महान विभूतियों के बारे में पढ़ना और उनके जीवन कार्यशैली पर चिंतन करना चाहिए उन्होंने समाज में कई अवधारणा को दूर करने का काम किया है अगर हम मुगल समय से पूर्व और उसके बाद के समय को देखें तो मुगलों के आक्रमण से पहले हम देखेंगे कि हमारे समाज में जातिवाद देखने को नहीं मिलता था लेकिन मुगल आक्रमण के बाद जातिवाद और कई अवधारणाओं को जन्म दिया है।

महात्मा ज्योतिबा फुले जी ने सबसे पहले जो लड़ाई लड़ी वह बेटियों को पढ़ाने की थी समाज में पहले पर्दा प्रथा सती प्रथा ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था और इसका सबसे बड़ा कारण मुगलों के आक्रमण के बाद में बहू बेटियो के साथ अपमानित व्यवहार किए जाते थे जिस से बचने के लिए समाज में बेटियो को पर्दे में रखना घर में रखना बाहर नहीं भेजना ऐसी सोच के साथ सुरक्षित रखने का काम किया जाता था फिर यह समाज में प्रथाएं बन गई लेकिन ज्योतिबा फुले जी ने महिलाओं के उत्थान के लिए उनको शिक्षित होना चाहिए उस पर कदम बढ़ाए सर्वप्रथम उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सावित्री फुले को शिक्षित करने का प्रण लिया और जब उनकी पत्नी शिक्षित हुई। उन्होंने पहला स्कूल बनवाया जिसमें उनकी धर्मपत्नी शिक्षिका के रूप में हुई। उन्होंने विधवा महिलाओं को भी पुनः विवाहित होने पर जोर दिया ताकि इन विधवाओं को नया जीवन और समाज में सम्मान मिल सके। भारतीय जनता पार्टी ऐसे सभी महान विभूतियों को को नमन करती है उनको याद करती है

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि पहला अगर कोई व्यक्ति राष्ट्रवादी विचारधारा का है तो वह डॉ भीमराव अंबेडकर जी हैं मोदी कहते हैं कि डॉ भीमराव अंबेडकर जी दलितों के ही नेता नहीं हैं अपितु सर्व समाज के नेता हैं जिन्होंने संविधान में लिखा सभी महिलाओं को सम्मान मिलेगा सभी मजदूरों के हितों की बात कही है आज मोदी जी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है हम सबका साथ सबका विकास के साथ आगे चल रहे हैं जिसके चलते हमने समान रूप से सभी लोगों के लिए शौचालय उज्जवला योजना में गैस कनेक्शन देने का काम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को घर देने का काम मोदी जी के नेतृत्व में किया जा रहा है। हमने भ्रष्टाचार को खत्म किया है हमारा अगर किसी से मुकाबला है तो देश में रहने वाले जयचंद जैसे लोगों से है राष्ट्रभक्त लोगों से नहीं है।

कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी सभी महान पुरुषों को याद करते हुए ज्योतिबा राव फुले जी की जयंती पर नमन किया कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए इन्होंने कई कार्य किए उन्होंने शिक्षा पर भी जोड़ दिया उन्होंने अपनी सावित्री फुले को शिक्षित बनाया ताकि समाज में महिलाओं को भी शिक्षित होने का मौका मिले जब अंग्रेजों ने शिक्षा कमीशन बनाया तो अंग्रेजों ने भी ज्योतिबा फूले जी के शिक्षा के प्रति विचारों को कमीशन में डालने का काम किया। समाज में महिलाओं के प्रति जो अवधारणाएं थी उस को बदलने का कार्य भी ज्योतिबा फूले के द्वारा किया गया है भारतीय जनता पार्टी भी इन्हीं महापुरुषों के विचारों से ओतप्रोत होकर समाज में अंतोदय के विचार से अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और विकास के कार्य को पहुंचाने का काम कर रही है हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हीं विचारों के साथ जनधन के खाते खुलवाए थे ताकि प्रत्येक व्यक्ति को एवं समाज के अंतिम व्यक्ति गरीब व्यक्ति को सरकार द्वारा योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

कबीना मंत्री गणेश जोशी ने भी जयंती के अवसर पर ज्योतिबा राव फुले को याद कर उनके विचारों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति को धारण करना चाहिए। ज्योतिबा फुले ने समाज में लोगों के बीच की कई अवधारणाओं को परिवर्तित करने का काम किया था उन्होंने शिक्षा को प्रधान रखा था भारतीय जनता पार्टी भी आज समाज को समान रूप से समान अधिकार के साथ आगे बढ़ाने का काम कर रही है जब देश आजाद हुआ था उस समय की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को बांटने का काम किया था लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी सभी को एक साथ लेकर सबका साथ सबका विकास मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

कार्यक्रम में राजपुर विधानसभा के विधायक आदरणीय खजान दास जी ने ज्योतिबा फुले जी को श्रद्धा के सुमन अर्पित किए और कहा कि हमें ऐसे समाज के महान विभूतियों को याद करना चाहिए साथ में उन्होंने कार्यक्रम में आए सभी मुख्य अतिथि एवंअतिथियों कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के महामंत्री संगठन अजेय प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर पुंडीर रेशम विभाग के चेयरमैन अजीत चौधरी प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर नेगी रविंद्र कटारिया महानगर उपाध्यक्ष राजेंद्र ढिल्लो रतन सिंह चौहान संध्या थापा संतोष सेमवाल बबीता सलहोत्रा महानगर महामंत्री एवं मंच संचालन सुरेंद्र राणा विजेंदर थपलियाल महानगर मंत्री संदीप मुखर्जी संकेत नौटियाल देवेंद्र पाल गोविंद मोहन विमल उनियाल मोहित शर्मा मीडिया प्रभारी उमा नरेश मोर्चा के अध्यक्ष अर्चना बागड़ी प्रदीप दुग्गल देवेंद्र बिष्ट राकेश आर्य बलदेव राजेश बडोनी प्रदीप कुमार अक्षत जैन आशीष शर्मा रणजीत सेमवाल विपुल खंडूरी सूरज अर्नाल्ड राहुल अवधेश तिवारी पंकज शर्मा सुमन साहनी पूनम ममगई तारा देवी सुषमा कुकरेती अरुणा लोचन नीलू सहानी अंशिका शर्मा अरुणा नीलम वर्मा सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे

समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

ऋषिकेश। सामाजिक न्याय सप्ताह के तहत मंगलवार को भाजपाइयों ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई। मंगलवार को डोईवाला में भाजपा के ओबीसी मोर्चा द्वारा फुले की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले ने गरीबों, महिलाओं दलितों एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की समाज के विभिन्न तबकों के हितों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का ब्योरा दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

महात्मा ज्योतिबा फुले के सपनों को साकार कर रहे पीएम मोदीः डॉ. निशंक

महेंद्र भट्ट ने कहा कि ज्योतिबा फुले की पत्नी सावित्रीबाई फुले एक ऐसी शख्सियत थी, जिन्होंने स्त्री शिक्षा के लिए ना केवल संघर्ष किया, बल्कि पहली बार उनके लिए बालिका विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने कहा कि हमारे देश की आबादी बहुत ज्यादा है, इसको कंट्रोल करने की आवश्यकता है। कहा जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से गरीब चेन की नींद सो रहा है। कार्यक्रम में भाजपा के ऋषिकेश जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रभान पाल, डॉ. स्वराज विद्वान, जिला महामंत्री राजेंद्र तडियाल, करण बोरा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र नेगी, प्रतिक कालिया, अंकित बिजलवान, पुष्पा ध्यानी, रविंदर बेलवाल, भरत गुप्ता, नगीना रानी, आरती लखेड़ा, पुरुषोत्तम डोभाल, प्रेम सिंह, मंगल सिंह, सरिता गोसाई, विनय जिंदल, सुंदर लोधी, सुषमा चौधरी, कल्पना प्रजापति, वर्षा वर्मा, मनीष आदि मौजूद रहे।

त्यूणी मिनी स्टेडियम हुआ बदहाल

विकासनगर। एक तरफ सरकार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिए तमाम दावे कर रही है। दूसरी तरफ त्यूणी में टौंस नदी किनारे बनाया गया मिनी खेल स्टेडियम अधिकारियों की उपेक्षा की भेंट चढ़ गया है। यह मिनी स्टेडियम वर्ष विभागीय अनदेखी के चलते अपनी बदहाली पर खुद ही आंसू बहा रहा है। त्यूणी में टौंस नदी के तट किनारे युवा कल्याण खेल विभाग ने कार्य दायी संस्था ग्रामीण विकास विभाग से 2008 मे 44 लाख रुपए लागत से बनाया था। करीब 90 मीटर लम्बा 45 मीटर चौड़ा खेलकूद मैदान के साथ ही मिनी स्टेडियम मे बालक व बालिका चेंजिग रूम सेट के साथ शौचालय का निर्माण भी किया गया, लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण लाखों की लागत से बने स्टेडियम में बने चेंजिंग रूम घोड़े-खच्चरों को रखा जा रहा है, जो घुड़साल बनकर रह गयी है। जिन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है। वर्ष 2018 में आराकोट दैवीय आपदा में हैलीपैड आपदा की भेंट चढ़ गया था, जिससे यह मिनी खेल स्टेडियम बदहाल हालत में है। जिससे यह स्टेडियम खेलकूद लायक नहीं रह गया है।

अभियुक्त चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, जेल जरूर जाएगा : अजय सिंह , एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 12 अप्रैल , हरिद्वार पुलिस ने एक बार फिर अपराध और अपराधी के जाल को तेज़ी से काटते हुए कानून चलाया है जिसके बाद गुनहगारों मे खौफ दिखाई देने लगा है। आप को यहाँ बता दें कि बीते दिनों एक गुमशुदा की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने शादी के बाद अवैध संबंध के चलते बुने गए षड़यंत्र के पूरे खाके को जनता के सामने लाते हुए अब गुमशुदा के शव को बरामद कर कातिल विवाहिता एवं उसके प्रेमी को दबोचने में सफलता हासिल की है।

22 मार्च को गुमशुदा के पिता मोहरपाल ने सिडकुल हरिद्वार की शिकायत पर थाना सिड़कुल में गुमशुदगी दर्ज कर विवेचक उ0नि0 देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा गुमशुदा हेमेन्द्र एवं उसकी पत्नी रिंकी उर्फ किरण के मोबाईल की कॉल डिटेल मंगाई गयी थी। कॉल डिटेल में एक संदिग्ध नम्बर से रिंकी उर्फ किरन की लगातार बातचीत होना पाए जाने पर मिलान किया गया तो संदिग्ध नम्बर व गुमशुदा हेमेन्द्र सिंह की अन्तिम लोकेशन थाना भगवानपुर क्षेत्रान्तर्गत एक ही स्थान पर मिला । पूछताछ मे रिंकी उर्फ किरन ने विवेचना में किसी भी प्रकार का सहयोग न कर अज्ञात नम्बर की आईडी मौहम्मद शारूफ को पहचानने से इन्कार व फोन पर बात करने से स्पष्ट मना करने एवं हेमेन्द्र के परिजनो को उक्त नम्बर के बारे में कोई जानकारी न होने पर रिंकी उर्फ किरण से सख्ती से पूछताछ की गयी।

लगातार कठिन सवालों का सामना कर रही रिंकी के आखिरकार टूटने पर जानकारी मिली कि उक्त नम्बर रिंकी के प्रेमी शारूफ का है। विवेचना आगे बढ़ाते हुए संदिग्ध मौहम्मद शारुफ अली को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि दोनो के बीच चल रहे अवैध प्रेम प्रसंग के बीच मृतक हेमेन्द्र उर्फ सौरभ द्वारा रंगे हाथ पकड़ने व आपस में हुई तीखी बहस होने पर दोनो (रिंकी व शारुफ) ने हेमेन्द्र को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

योजना के अनुसार गुमशुदा हेमेन्द्र को दावत के बहाने भगवानपुर बुलाया और शराब पिलाकर देर रात रस्सी से गला घोटकर हत्या करने के उपरांत शव को नहर में फेंक दिया। शव थाना बडगांव पुलिस को नहर ग्राम सिमलाना से बरामद करते हुए नियमानुसार शव का अन्तिम संस्कार किया जा चुका था। सन्बन्धित थाने से सम्पर्क करने पर मृतक के परिजनों द्वारा उक्त अज्ञात शव के कपड़ों को पहचाना गया। पुलिस टीम ने थाना बडगांव से मृतक के कपडे व फोटो व अन्य दस्तावेज कब्जे लिये गये। निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त रस्सी, ट्रक व मृतक का मोबाईल फोन को बरामद किया गया व विधिक अधिकारों के मुताबिक अभियुक्ता रिंकी उर्फ किरन को हिरासत पुलिस लेकर इस कांड का खुलासा किया गया है।

एटीएम से करोड़ों रुपये के गबन प्रकरण में पुलिस ने 2 को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

थाना गोपेश्वर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्याः 11/2023 धाराः-420/409/120बी भा.द.वि. बनाम देवराज आदि में पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा प्रकरण में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के आदेश दिए गए हैं। आदेशानुपालन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गठित टीम द्वारा कुशल सुरागरसी-पतारसी के उपरान्त दबिश देकर मुकदमा उपरोक्त में संलिप्त पाए गए 02 अभियुक्तों क्रमशः 1- पंकज कुमार पुत्र गोपाल राम निवासी ग्वालदम जिला चमोली व 2-अभिषेक पुत्र राम चन्द्र निवासी ग्राम व पो० सिमली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया ।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की हत्या कर शव घर के बाहर फेंका

देहरादून। चंद्रबनी स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की हत्या कर आरोपी शव को मृतक के घर के दरवाजे पर फेंक गए। गुस्साए लोगों परिजनों और स्थानीय लोगों ने टर्नर रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस अफसरों ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए दो घंटे बाद जाम खुलवाया। मामले में पुलिस ने नशा मुक्ति केंद्र संचालक चार लोगों के खिलाफ हत्या, साक्ष्य मिटाने और एससी-एसटी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

टर्नर रोड लेन-01 निवासी सिद्धार्थ उर्फ सिद्धू (25) को परिजनों ने 22 मार्च को चंद्रबनी में वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट के पास न्यू आराध्या फाउंडेशन नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया। नशे का आदी होने के चलते उसे सुधार के नशा मुक्ति केंद्र में रखा गया था। क्लेमनटाउन थानाध्यक्ष सतेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मामले में नशा मुक्ति केंद्र संचालक प्रशांत जुयाल समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीसीटीवी में कैद हुई शव फेंकने की घटना

नशा मुक्ति केंद्र संचालकों के कार में आकर शव मृतक के घर फेंकने की घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। मौके पर तीन लोग कार से उतरकर शव कार से बाहर निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। सुबह के वक्त इस दौरान कुछ लोगों भी आवाजाही कर रहे हैं। वह कुछ समझ पाते इससे पहले कार से उतरे लोग वापस कार में बैठे और रवाना हो गए।

एक पैथलौजिस्ट व एक मासूम कोरोना पॉजिटिव

बागेश्वर। जिले में कोरोना ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। सोमवार को एक मरीज पॉजिटिव निकला। मंगलवार को एक पैथलॉजिस्ट व एक मासूम कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। दोनों को आइसोलेशन में रखा गया है। मामले बढने के बाद जिला अस्पताल में एक जांच केंद्र भी स्थापित कर दिया है। यहां संदिग्ध मरीजों की जांच की जाएगी। मामले बढने पर व्यवस्था भी बढ़ाई जाएगी। मालूम हो कि पूरे देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखेत हुए सोमवार को जिले में मॉकड्रिल हुआ। जिलाधिकारी अनुराधा पाल, सीएमओ डॉ. डीपी जोशी समेत डॉक्टरों की टीम ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। ऑक्सीजन प्लांट से लेकर दवा आदि की व्यवस्था देखी। पहले दिन एक कारोना पॉजिटिव भी मिला। उसे आइसोलेशन में रखा गया। मंगलवार को चिंता और बढ़ गई है। अब दो नये कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें एक पैथलौजिस्ट तथा दूसरा तीन महीने का मासूम शामिल है। जांच के बाद मासूम को अलग वार्ड में रखा है, जबकि पैथलॉजिस्ट होम क्वारंटीन हो गए हैं। अस्पताल में आने वाले संदिग्ध मरीजों की जांच होगी। जांच के बाद पॉजिटिव पाए जाने पर उन्हें होम आइसोलेशन में रखा जाएगा। इधर सीएमएस डॉ. विनोद टम्टा ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव मिले रोगियों को आइसोलेशन में रखा गया है। अस्पताल में जांच के अलावा पर्याप्त दवा व ऑक्सीजन है। कोई भी व्यक्ति बुखार आदि होने पर अपने मन से दवा न लें। चिकित्सक की राय से ही दवा लें।

दिन में गर्मी और रात में ठंड, ये मौसम बन रहा बीमारी का कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 अप्रैल ; मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। बदलते मौसम के चलते पिछले तीन दिनों से ओपीडी में अचानक इजाफा हो गया है। नागरिक अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में मरीजों की संख्या में 40 फीसदी का इजाफा हुआ है। अब ओपीडी में हर चौथा मरीज खांसी, जुकाम और बुखार के साथ आ रहा है।बदलते मौसम में थोड़ी सी लापरवाही से लोग बीमार पड़ रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है और इसके चलते सबसे ज्यादा सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायतें मिल रही हैं।

डॉक्टरों का मानना है कि दिन में तेज धूप, शाम में सिहरन और रात में ठंड के चलते ऐसी स्थिति बन रही है। जिसके चलते सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज बढ़े हैं। खासकर अस्थमा और पेट के रोगियों को ज्यादा परेशानी जा रही है।नागरिक अस्पताल के ओपीडी कक्ष में पिछले एक सप्ताह से 1200 के करीब ओपीडी पहुंच रही है। इस सीजन में सबसे ज्यादा वायरल होता है नाक से वायरस प्रवेश करता है और शरीर में पहुंच जाता है। यह मौसम उसके लिए ठीक होता है। इस दौरान वायरस से बचने के लिए शरीर का तापमान बनाए रखने की जरूरत होती है।

इस सीजन में व्यक्ति शरीर में पानी की मात्रा कम न करें भाप लेते रहें और गर्म कुनकुना पानी पिएं। जिससे कुछ हद तक राहत मिल सकती है। चिकित्सक के अनुसार 15 दिन पहले तक वायरल इन्फेक्शन से गले में आवाज बैठने की तकलीफ ज्यादा रही। अब मौसम बदलने से खांसी के मरीज बढ़ गए हैं।मौसम में परिवर्तन से वायरल इन्फेक्शन होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सर्दी-जुकाम, बुखार के साथ खांसी की तकलीफ बढ़ी है। बच्चे और बुजुर्गों की इम्युनिटी कम होती है वे बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल के अधीक्षक डा. एसबी खरे ने कहा कि इंफेक्शन से पीड़ित लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के परामर्श के अनुसार दवाइयां लें।

उत्तराखंड में कोरोना, 11 जिलों में 71 लोग पॉजिटिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

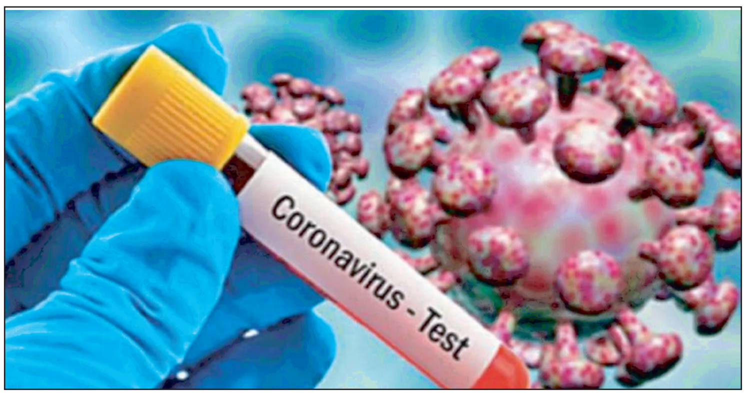

देहरादून 12 अप्रैल : कोरोना को लेकर एक बार फिर डराने वाली खबरें मिलने लगी हैं, प्रदेश के 11 जिलों में कोरोना पैर पसार चुका है। कोविड के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कोविड के नियमों का पालन करने के साथ मास्क लगाने की अपील की है। बीते दिन अल्मोड़ा जिले के चौबटिया निवासी एक महिला कोरोना संक्रमित पाई गई। इन्हें सर्दी-जुकाम की शिकायत थी। कोविड टेस्ट हुआ तो तीनों कोरोना पॉजिटिव पाए गए। फिलहाल तीनों को होम आइसोलेट किया गया है। रानीखेत में भी एक महिला कोरोना संक्रमित मिली है।

प्रदेश के 11 जिलों में 71 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें देहरादून जिले में सर्वाधिक 44 मामले सामने आए हैं। बीते तीन महीने में कोरोना संक्रमितों के मिलने का ये सबसे बड़ा आंकड़ा है।

फिलहाल प्रदेश में कोरोना के 147 एक्टिव मरीज हैं।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटे के भीतर देहरादून में 44, नैनीताल में 9, अल्मोड़ा में 4, चमोली में 3, पौड़ी 3, टिहरी में 3, चंपावत, हरिद्वार, उत्तरकाशी, उधम सिंह नगर, रुद्रप्रयाग जिले में एक-एक संक्रमित मिला है। चंपावत व पिथौरागढ़ जिले में कोई नया संक्रमित नहीं मिला है। एक जनवरी से अब तक के आंकड़ों की बात करें तो प्रदेश में कुल 590 संक्रमित मिले। इसमें 439 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। कोरोना के चलते जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या छह है। फिलहाल प्रदेश में 147 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। देश में एक बार फिर से कोविड-19 संक्रमण के मामले में बढ़ने लगे हैं। दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों में जहां एक महीने पहले तक कोरोना महामारी के मामले शून्य पर पहुंच चुके थे, वहां भी संक्रमण के नए मामले चिंता बढ़ने लगे हैं।

कोविड से डरना नहीं, कोविड को हराना है : सचिव स्वास्थ्य डॉ0 आर0 राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अप्रैल : कोविड से डरने की नहीं, कोविड को हराने की आवश्यकता है- यह बात सचिव स्वास्थ्य डॉ0 आर0 राजेश कुमार द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्देशित मॉक ड्रिल के द्वितीय दिवस पर राजकीय दून मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में कोविड-19 के प्रबंधन को लेकर तैयारियों का जायजा लेते हुए कही। सचिव स्वास्थ्य ने चिकित्सालय में पहुंचकर ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू, वेंटीलेटर, बेड इत्यादि का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में कोरोना के सक्रिय रोगी हैं जिनमें अधिकतर सामान्य लक्षण के साथ है व होम आइसोलेटेड है। कुछ ही रोगियों को चिकित्सालय में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ रही है। सचिव स्वास्थ्य द्वारा आम जनमानस से कोविड-19 एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पालन करने की अपील की गई। सचिव स्वास्थ्य ने सभी चिकित्सकों को रोगियों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की वर्तमान स्थिति में घबराने की आवश्यकता नहीं है। किसी अन्य गंभीर रोग से ग्रसित लोगों वृद्ध लोगों को अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। कोविड से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग उत्तर एवं तैयार है। किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में आम जनमानस को सुविधाएं देने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से मुस्तैद है।

निरीक्षण के दौरान प्राचार्य/निदेशक चिकित्सा शिक्षा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज डॉ0 आशुतोष सयाना, डॉ0 अजय नगरकर, अपर परियोजना निदेशक, उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, डॉ0 पंकज कुमार, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

संपादकीय

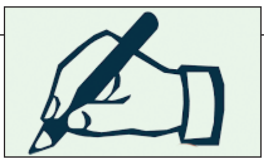

गेम चेंजर हो सकता है 'ओएनडीसी'

एक दशक से अधिक समय से ई-कॉमर्स में भारत और दुनिया में भारी वृद्धि हुई है. भारत में कुल खुदरा व्यापार का लगभग 6.5 प्रतिशत आज ई-कॉमर्स के माध्यम से होता है. ई-कॉमर्स ने जीवन को आसान बना दिया है, क्योंकि लोगों को घर बैठे एक बटन क्लिक कर वस्तुएं और सेवाएं मिल जाती हैं. रेल-बस टिकट हो या हवाई यात्रा, होटल बुकिंग हो या टैक्सी, ऑटो से आना-जाना, सब सुविधाजनक हो गया है. ई-कॉमर्स से विभिन्न प्रकार की घरेलू और व्यावसायिक सेवाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकता है, लेकिन इसके साथ ही कुछ बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है, जिससे पारंपरिक व्यवसायों को भारी नुकसान हो रहा है. सवाल केवल कमीशन का नहीं है, ये कंपनियां डेटा पर अपने एकाधिकार के कारण विभिन्न विक्रेताओं के बीच भेदभाव करती हैं और अपने पसंदीदा विक्रेताओं को वरीयता देती हैं. ऐसे में अन्य विक्रेताओं को नुकसान होता है. हालांकि ये कंपनियां अपने ग्राहकों को सस्ता सामान और सेवाएं प्रदान करने का दावा करती हैं, लेकिन अपनी आर्थिक ताकत के चलते ये छोटे पारंपरिक दुकानदारों, ट्रैवल एजेंटों आदि को बाजार से बाहर करने के लिए उपभोक्ताओं को भारी छूट देती हैं. अपने स्वयं के पैसे से और ड्राइवरों को आकर्षित करने के लिए उन्होंने भारी प्रोत्साहन भी दिया, पर व्यवसाय स्थापित करने के बाद उबर सरीखे एग्रीगेटर उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करने के लिए मजबूर करते हैं और ड्राइवरों की कमाई का लगभग एक-तिहाई ये एग्रीगेटर छीन लेते हैं ऐसे में छोटे वेंडरों और गरीब कामगारों के पास केवल दो विकल्प हैं- या तो अपना शोषण होने दें या व्यवसाय छोड़ दें. इतना ही नहीं, ई-कॉमर्स कंपनियों के कैश बर्निंग मॉडल की वजह से परंपरागत कारोबारी भी धंधे से बाहर हो रहे हैं. चाहे किराना दुकान हो या रेडीमेड परिधान की दुकान या इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान के शोरूम या पारंपरिक ट्रैवल एजेंट, इन कंपनियों के आने से खुदरा व्यापार में रोजगार का क्षरण हुआ है. कहा जा सकता है कि आज का ई-कॉमर्स समावेशी नहीं है. हम ई-कॉमर्स को बंद नहीं कर सकते हैं और ऐसा करने की आवश्यकता भी नहीं है, पर सवाल विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा का है. क्या हम इन ई-कॉमर्स दिग्गजों के लालच पर रोक लगा सकते हैं? इन सवालों के जवाब भारत सरकार द्वारा शुरू किये गये ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में मिल रहे हैं, जो एक पंजीकृत कंपनी है. ओएनडीसी नेटवर्क ई-कॉमर्स को एक चैनल प्रदान कर रहा है. यह खरीदारों और विक्रेताओं के बीच एक कड़ी प्रदान करने की कोशिश करता है, जो शोषणकारी नहीं है. इस प्रणाली में कंपनियां डेटा पर एकाधिकार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से विक्रेताओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकती हैं. इसमें उपभोक्ता विभिन्न प्रकार के विक्रेता, सेवा प्रदाता आदि को आसानी से खोज सकेंगे और ई-कॉमर्स बाजार में एकाधिकार के बजाय प्रतिस्पर्धा के आधार पर व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकेगा.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

बच्चों को भिक्षा नहीं, शिक्षा देने के लिए किया जागरूक

ऋषिकेश। पुलिस ऑपरेशन मुक्ति के तहत भिक्षा मांगने वाले बच्चों को समाज की मुख्य धारा में जोडने का प्रयास कर रही है, जिसके तहत भिक्षा मांगने वाले बच्चों को पहले पुलिस टीम ने शिक्षा का महत्व बताते हुए उनका स्कूलों में दाखिल कराया। अब पुलिस भिक्षा नहीं, शिक्षा देने के प्रति लोगों को जागरूक रही है। टिहरी जनपद में पुलिस के ऑपरेशन मुक्ति में मुनिकीरेती और आसपास के क्षेत्रों का जिम्मा उपनिरीक्षक योगेश चंद्र खुमरियाल, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, कांस्टेबल निशांत और कोमल पर है। टीम ने क्षेत्र में मार्च महीने में पहले भिक्षा मांगने वाले बच्चों को चिह्नित किया। इसके बाद उनका स्कूलों में दाखिल कराया। अभी तक कुल 45 बच्चों का टीम भिक्षावृत्ति के दलदल बाहर निकालकर स्कूलों में दाखिल करवा चुकी है। अप्रैल के महीने में टीम जागरूकता अभियान चला रही है। मंगलवार को टीम के सदस्य राजकीय प्राथमिक विद्यालय खारास्रोत में भर्ती कराए बच्चों का हाल-चाल जानने पहुंचे। इस दौरान स्कूली बच्चों संग नगर क्षेत्र में भिक्षा नहीं, शिक्षा दो के नारे के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। क्षेत्र के विभिन्न इलाकों और गंगाघाटों आदि पर निकली रैली के जरिए बच्चों ने लोगों को भिक्षा न देकर शिक्षा देने के प्रति जागरूक किया। उपनिरीक्षक योगेश चंद्र ने बताया कि जागरूकता के लिए रैली समेत अन्य कार्यक्रम अलग-अलग दिनों में 30 अप्रैल तक किए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी इस मुहिम में सहयोग की अपील की है।

जंगल को आग से बचाने को निकाली जागरूकता रैली

ऋषिकेश। गर्मी में जंगलों को संभावित आग से बचाने के लिए दोगी पट्टी क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। वाहन रैली में कई गांवों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। संकल्प लिया कि वन संपदा को आग से बचाने की हरसंभव कोशिश की जाएगी।

कैंट बोर्ड अध्यक्ष से की पेयजल किल्लत से निजात दिलाने की मांग

विकासनगर। चकराता कैंट में विगत कई वर्षों से चल रही पेयजल समस्या के निस्तारण के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से छावनी परिषद के अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्यवाही की मांग की है। सामाजिक संगठन यंग माउंटेन क्लब, व्यापार मंडल चकराता, शहर कांग्रेस कमेटी चकराता और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को सामूहिक तौर पर छावनी परिषद के अध्यक्ष को पेयजल संकट की जानकारी दी। बताया कि चकराता कैंट क्षेत्र में पिछले कई सालों से पेयजल की समस्या बनी हुई है। चकराता कैंट और सैन्य क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने के लिए जाड़ी, कंदाड गांव में स्थित प्रकृतिक स्रोतों से ब्रिटिश कालीन पेयजल लाइन बनी हुई है। इसी लादन से पूरे क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति होती है। बढ़ी हुई जनसंख्या की पेयजल आपूर्ति करने में अंग्रेजों के जमाने की पेयजल लाइन सक्षम नहीं हो रही है। बताया कि सिविल क्षेत्र में तो 24 घंटे में मात्र 30 से 45 मिनट ही पेयजल आपूर्ति होती है, जिससे एक परिवार को भी उसकी जरूरत के अनुसार पानी नहीं मिल पाता है। जबकि सार्वजनिक नलों से पानी भरने वाले लोगो को तो एक या दो बाल्टी ही पानी मिल पाता है। होटल संचालकों को टैंकर से पानी की आपूर्ति करनी पड़ती है। गर्मियों में यह समस्या और बढ़ जाती है जिससे जलापूर्ति के लिए लोगो को भटकना पड़ता है।

कहा कि जहां केंद्र सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल हर घर नल के दावे कर रही है वहीं कैंट क्षेत्र में ऐसी कोई योजना नहीं बनी है। स्थानीय बाशिंदों ने कैंट बोर्ड अध्यक्ष से मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी इस गंभीर समस्या का जल्द निदान करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष केशर सिंह, चौहान, यंग माउंटेन क्लब के अध्यक्ष अमित जोशी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष नारायण सिंह राणा, कैंट सदस्य अनिल चांदना आदि शामिल रहे।

पंचायतों का पैसा खर्च न करने वाले होंगे दंडित : महाराज की चेतावनी

पंचायतों के प्रोत्साहनीकरण विषय पर होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर बैठक में हुई चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अप्रैल , जिला पंचायत, विकासखंड और ग्राम पंचायतों का पैसा खर्च न होने पर दोषियों को दण्डित किया जायेगा। ऐसी ग्राम सभा, विकासखण्ड और जिला पंचायतों को चिन्हित कर कार्यवाही की जायेगी, जिनका सबसे खराब प्रदर्शन होगा।

उक्त बात प्रदेश के पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, पर्यटन, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को सहस्त्रधारा रोड, डांडा लखौड़ स्थित पंचायती राज निदेशालय में 17 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली विज्ञान भवन में होने वाले ₹पंचायतों का प्रोत्साहनीकरण विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन-सह पुरस्कार वितरण समारोह₹ की तैयारियों हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा कैबिनेट की बैठक गांव में कराए जाने के लिए गांव का चयन करने के साथ-साथ जिला पंचायतों में भ्रष्टाचार के जो भी मामले उजागर हुए हैं उन पर सख्ती से कार्यवाही की जाए।

पंचायत मंत्री सतपाल महाराज ने पंचायत अधिकारियों से पूर्व में आयोजित बैठक में तय हुऐ विषय पंचायत निदेशालय में कॉल सेंटर, व्हाट्सएप नंबर आदि स्थापित किये जाने पर पंचायत अधिकारियों ने बताया कि 1 मई 2023 तक निदेशालय में सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी। पंचायत मंत्री ने कहा कि पंचायतें स्वयं के आय के स्रोत में वृद्धि करने के लिए कार्य योजना तैयार करें।पंचायत मंत्री महाराज ने ग्राम पंचायतों, विकासखंड और जिला पंचायतों में स्वच्छता एवं पेयजल के लिए 15वें वित्त आयोग से मिली धनराशि को 2020-21, 2021-22, 2022-23 तक खर्च ना करने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिन ग्राम पंचायतों विकास खंडों और जिला पंचायतों में पैसा खर्च नहीं होगा उनके जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाएगा।

उन्होंने प्रदेश के 13 जनपदों की पंचायतों में 15 वें वित्त आयोग से जिला पंचायत को मिले 81.29 करोड़ में से 63.07 करोड़, ग्राम पंचायतों को मिले 402.72 करोड़ में से 315.36 करोड़ और विकासखण्डों को मिले 54.20 करोड़ में से मात्र 34.70 करोड़ की धनराशि खर्च किये जाने पर दोषियों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। की धनराशि इसके अलावा जो ग्राम सभाएं ,जिला पंचायत और विकासखंड सबसे अच्छा कार्य करेंगे उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा।

बैठक में जागेश्वर विधायक मोहन सिंह, पंचायतीराज सचिव नितेश झा, अपर सचिव ओंमकार सिंह, अपर निदेशक मनोज कुमार तिवारी, संयुक्त निदेशक रविनाथ रमन त्रिपाठी एवं हिमाली आदि अधिकारी मौजूद थे।

हंगामेदार रही नगर निगम बोर्ड की बजट बैठक

ऋषिकेश। नगर निगम ऋषिकेश की सालाना बजट (2023-24) बैठक में खूब हंगामा हुआ। दो पार्षदों के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। पार्षदों ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े चार साल के कार्यकाल में उनके वार्ड में एक भी विकास कार्य नहीं हुआ है। सडक़ें और नालियां बदहाल हैं। एक स्वर में आगामी निकाय चुनाव से पहले 40 वार्डों में अधर में लटके विकास कार्य कराने की मांग उठाई गई। मंगलवार को नगर निगम में मेयर अनिता ममगाईं की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में बजट पर चर्चा शुरू होने से पहले ही कांग्रेसी पार्षद राकेश सिंह मियां, राधा रमोला, देवेंद्र प्रजापति ने उनके वार्डों के विकास कार्यों से संबंधित प्रस्तावों पर क्या कार्रवाई हुई, इसका जवाब मांगा। इससे बैठक में हंगामा हो गया। कुछ पार्षदों ने विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि 40 वार्डों में से 15 वार्डों के लिए ही अवस्थापना निधि से 2 करोड़ 14 लाख 11 हजार का बजट स्वीकृत हुआ। जबकि अन्य वार्डों की उपेक्षा की गई। निगम अफसरों पर निशाना साधा कि इनकी लचर कार्यप्रणाली के चलते सरकार से पूरा बजट नहीं मिला। नगर आयुक्त राहुल कुमार गोयल ने स्पष्ट किया कि अवस्थापना निधि से 2 करोड 14 लाख 11 हजार का बजट स्वीकृत हुआ है। अन्य वार्डों के विकास कार्यों के लिए करीब 6 करोड़ का बजट और आना है। पार्षद जगत सिंह ने पेयजल की नई लाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सडक़ों की मरम्मत और बाईपास मार्ग पर योगनगरी रेलवे स्टेशन के सामने से अतिक्रमण हटवाने का प्रस्ताव रखा। इस पर नगर आयुक्त ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। पार्षद शिव कुमार गौतम ने सार्वजनिक शौचालय के निर्माण में अनियमितता पर नाराजगी जतायी। बैठक में नगर निगम में शामिल नए वार्डों की संपत्ति को नगर निगम के अभिलेखों में दर्ज करने, कॉमर्शियल प्रॉपर्टी से हाउस टैक्स वसूलने, निगम की आय बढ़ाने के लिए शत-प्रतिशत राजस्व वसूली आदि मुद्दे भी जोर शोर से उठे। राजस्व वसूली की संपत्ति को अभिलेखों में दर्ज करने का मुद्दा भी उठा। मौके पर सहायक नगर आयुक्त रमेश रावत, सहायक अभियंता दिनेश उनियाल, कर एवं राजस्व अधीक्षक भारती सिंह, अवर अभियंता तरुण लखेड़ा, पार्षद मनीष शर्मा, अनीता रैना, विपिन पंत, गुरविंदर सिंह, चेतन चौहान, उमा राणा, राजेंद्र बिष्ट, लव कांबोज, तनु तेवतिया, विजयलक्ष्मी रावत, रीना शर्मा, अजीत सिंह, मनीष बनवाल, विजयलक्ष्मी शर्मा, शकुंतला शर्मा, जयेश राणा, भगवान सिंह पंवार आदि मौजूद रहे।

सीएम आवास कूच कर रहे कर्मियों को पुलिस ने रोका

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी से निकाले गए आउटसोर्स कर्मचारियों को मुख्यमंत्री कार्यालय कूच के दौरान पुलिस ने रास्ते में ही रोक लिया। कर्मचारियों ने नौकरी में बहाली की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस बीच तहसीलदार के मौके पर पहुंचने पर कर्मचारियों ने उनके माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा। शिरोमणि अकाली दल मान की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह की अगुवाई में मंगलवार को एम्स से निकाले गए दर्जनों कर्मचारियों ने सीएम आवास देहरादून कूच किया। कर्मचारियों के मुख्यमंत्री कार्यालय जाने की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई, इसके बाद उन्हें देहरादून-ऋषिकेश मार्ग स्थित जंगलात चौकी के पास रोक लिया गया। कर्मचारियों ने आगे बढने का प्रयास किया, मगर पुलिस बल की मौजूदगी के चलते वह ऐसा नहीं कर पाए। मौके पर पहुंची तहसीलदार अमृता शर्मा के माध्यम से उन्होंने सीएम को ज्ञापन भेजा।

कर्मचारियों ने कहा कि वह आठ साल से एम्स में आउटसोर्स के तहत सिक्योरिटी गार्ड का काम करने के बाद उन्हें अचानक हटा दिया गया। उनकी जगह अब उपनल के जरिए कर्मचारियों को रखा जा रहा है। कहा कि मार्च से बहाली की मांग को लेकर एम्स के बाहर धरना दे रहे हैं, लेकिन उनकी सुध नहीं ली जा रही है।

50 और 90 फीसदी हाउस टैक्स छूट का प्रस्ताव खारिज

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में भवन कर में आवासीय भवनों को 50 और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 90 फीसदी की छूट दिए जाने के प्रस्ताव को सरकार ने खारिज कर दिया है। लिहाजा, अब नगर निगम ने पूर्व में निर्धारित दरों के मुताबिक ही कर वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है। 15 दिन में भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट मिलने की बात कही जा रही है। सहायक नगर आयुक्त चंद्रकांत भट्ट के अनुसार साल 2022 में चार जुलाई को नगर निगम बोर्ड बैठक में सर्वसम्मत्ति से आवासीय भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हाउस टैक्स छूट संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया है। प्रस्ताव के तहत वसूली के लिए सरकार की अनुमति मांगी थी। सरकार ने आदेश जारी कर इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ऐसे में पूर्व की दरों पर ही स्थानीय लोगों और कारोबारियों को नगर निगम में भवनकर अदा करना होगा। सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि निगम में शामिल हुए नए हिस्से वीरपुर खुर्द और ऋषिकेश ग्राम पंचायत को छोडक़र अन्य सभी शहरवासियों और कारोबारियों को कर के बिल नहीं मिले हैं, तो वह निगम कार्यालय से इसे ले सकते हैं। जिन भवन स्वामियों ने अभी तक स्वकर निर्धारण पत्र निगम कार्यालय में जमा नहीं किया, वह संबंधित पत्र अतिशीघ्र जमा करा दें। बताया कि कर बिल मिलने के 15 दिन के भीतर भुगतान पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

होम्योपैथिक चिकित्सालय में योग सेंटर शुरू

ऋषिकेश। उत्तराखंड सरकार ने डोईवाला के राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में योगा सेंटर शुरू कर दिया है। इसमें प्रतिदिन सुबह 11 बजे से लोगों को योग करवाया जाएगा। होम्योपैथिक चिकित्सालय डोईवाला की चिकित्सा प्रभारी प्रियंका भारद्वाज ने कहा कि योग से लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने में मदद मिलेगी। वहीं लगातार योग के अभ्यास से इंसान की जीवन प्रक्रिया भी सरल और निरोगी रहेगी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की जीवन शैली से जनित बीमारियां जैसे डायबिटीज, थायराइड, ब्लड प्रेशर, अर्थराइटिस, मोटापा, अनिद्रा, चर्म रोग आदि बढ़ रही हैं। इनसे दवाइयों के साथ-साथ योग से भी निजात मिल सकती है। कहा कि पूर्ण रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। कहा कि प्रतिदिन सुबह 11 बजे से चिकित्सालय में योग सेंटर चलेगा। मौके पर योगाचार्य भूपेंद्र, निकिता नेगी, धीरेंद्र उनियाल, अमित मौर्य आदि उपस्थित रहे। दूसरी ओर बुल्लावाला के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में भी योगाचार्य अमित बिष्ट द्वारा योग सेंटर चलाया जा रहा है। इसमें भारी संख्या में ग्रामीण शिरकत कर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

शहर के बीच डंप कूड़े की समस्या का नहीं निकल रहा समाधान

ऋषिकेश। कई दशकों से नगर क्षेत्र में डंप कूड़े के निस्तारण की समस्या बरकरार है। लालपानी में वनभूमि पर कूड़ा निस्तारण और प्रोसेसिंग प्लांट मंजूर है, लेकिन विरोध के चलते प्लांट निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। शहर के बीचों बीच डंप कूड़े से आसपास के लोग परेशान हैं। शहर के बीच कूड़ा डंप होने से सैलानी भी यहां से अच्छा संदेश लेकर नहीं जा रहे हैं। नगर निगम के जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल अब कुछ महीने का ही बचा है। अब चुनाव नजदीक आते देख इस मुददे पर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाली जा रही है। नगर आयुक्त राहुल गोयल का कहना है कि मामले में उच्च अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है। जल्द समस्या का निदान हो जायेगा।

मिलावट की आशंका में पनीर के दो सैंपल लिए

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा सीजन में मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। यात्रा रूट पर पडऩे वाले व्यापारिक प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। मंगलवार को रायवाला और हरिपुरकला क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक डेयरियों में छापेमारी कर विभागीय टीम ने पनीर के सैंपल लिए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के उपायुक्त मुख्यालय जीसी कंडवाल के नेतृत्व में मंगलवार को विभागीय टीम ने रायवाला क्षेत्र में दुग्ध डेयरियों में चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता आदि की जांच की। डेयरी संचालकों को साफ सफाई रखने के लिए निर्देशित किया। टीम ने रायवाला से आगे हरिद्वार जनपद की सीमा से सटे हरिपुरकला में संचालित दुग्ध डेयरियों की जांच पड़ताल की। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने बताया कि मिलावट की आशंका के चलते जांच के लिए जनता डेयरी रायवाला और मां वैष्णादेवी डेयरी हरिपुरकला से एक-एक पनीर का नमूना लिया गया है।

सरेआम फोन छिनकर भगा युवक, मुकदमा

ऋषिकेश। हरिपुरकला ग्रामसभा में एक अज्ञात शख्स महिला के कीमती मोबाइल फोन को झपटकर भाग गया। आसपास के लोगों ने युवक को पकडऩे की कोशिश की, लेकिन वह फरार होने में कामयाब रहा। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों से इसकी जानकारी की। इसके बाद वह पुलिस तक पहुंचे। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रायवाला थानाध्यक्ष कुलदीप पंत के मुताबिक यह घटना गांव में शांति मार्ग पर हुई।